केवल आंतरिक वितरण हेतु

सृजन

फरवरी, 2025

फैडरेशन के संचालक मंडल की बैठक दि. 6 फरवरी, 2025 को सम्पन्न

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय

फैडरेशन के संचालक मण्डल की बैठक दिनांक 6 फरवरी, 2025 को होटल ग्रांड सफारी, जयपुर में श्री मोहन पाराशर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें पूर्व में दि. 12.11. 2024 को आयोजित बैठक के कार्यवाही विवरण की पुष्टि करते हुए लिये गये निर्णयों पर फैडरेशन द्वारा की गई कार्यवाही का माननीय सदस्यों ने अवलोकन किया। बैठक में अरबन बैंकों द्वारा 30 सितंबर, 2024 तक किये गये कार्यों की समीक्षा की गई तथा फैडरेशन स्तर पर प्रथम प्रयास के रूप में तैयार की गई 2023–24 की सांख्यिकी पुस्तिका की सराहना की।

बैठक में चर्चा उपरांत फैडरेशन स्तर पर आई.टी. विशेषज्ञ की नियुक्ति का निर्णय लिया गया। सभी एकमत से सहमत थे कि अधिकांश बैंकों के स्तर पर सुयोग्य एवं दक्ष तकनीकी अधिकारी उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। अतएव यदि फैडरेशन स्तर पर ऐसे एक व्यक्ति को चयन कर सेवाओं में लिया जाता है तो इसका लाभ सभी बैंकों को होगा। इसके वेतन एवं अन्य सुविधाओं पर होने वाले व्यय को भी बैंकों द्वारा वहन किये जाने पर भी सहमति रही।

बैठक के दौरान सिंघटेक कोडेस्क इन्नोवेशन सेंटर, जयपुर के निदेशक एवं ग्रुप सीईओ श्री सुजित ए सिंह एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री अंशुल गोयल को मीटिंग में आमंत्रित किया जिन्होंने कंपनी प्रोफाईल के साथ–साथ कम्पनी द्वारा प्रदत्त सेवाओं की जानकारी दी। यह कंपनी हार्डवेयर सप्लाई, सौफ्टवेयर एवं सिस्टम इण्टीग्रेशन की सेवाएं प्रदान करती है। उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि यूपीआई के माध्यम से होने वाली भुगतान व्यवस्था को इस कंपनी के माध्यम से यदि बैंकों द्वारा अपनाया जाता है तो वे बिना किसी शुल्क के बैंकों के साथ जुड़ना चाहेंगे। यह जयपुर स्थित कंपनी होने से बैंकों को नजदीकी का लाभ प्राप्त हो सकेगा एवं बैंकों द्वारा जो राशि नॉनफण्ड आय के रूप में अर्जित की जायेगी, उसी में से वे शेयर करेंगे।

अध्यक्ष महोदय ने उन्हें केवल एक इसी प्रोडक्ट की विस्तृत जानकारी देने के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करने की सलाह दी। कंपनी प्रतिनिधि का यह भी प्रस्ताव था कि उनके पास 300 से 400 अधिकारियों की वर्कफोर्स है एवं जब तक फैडरेशन स्तर पर आईटी सैल गठित नहीं होता है, तब तक वे उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान कर सकते हैं तथा वे बैंक कार्मिकों के लिये समय–समय पर प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित कर सकते हैं।

बैठक में अम्ब्रेला आर्गेनाईजेशन की सदस्यता, दी जाने वाली सहकार कम्पलायंस मोनिटरिंग सर्विस, अरबन बैंकों को आवश्यकता के समय फंड्स उपलब्ध कराने के लिये विकल्पों की जानकारी भी दी गई।

अंतरराष्ट्रीय सहकारी वर्ष मनाने के लिये विभिन्न कार्यक्रमों पर भी विचार किया गया। इसके अंतर्गत सभी बैंकों के अध्यक्ष, निर्वाचित प्रतिनिधि, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला विभाग के निर्देशानुसार आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्षीय संदेश

वित्तीय वर्ष 2024–25 की समाप्ति में कुछ ही दिन शेष रह गये ह। राज्य क अरबन को–ऑपरेटिव बैंक अपने लक्ष्यों की पूर्ति में पूरी तरह से लगे हुए हैं। मैं आशा करता हूं कि वर्ष 2024–25 में भी हमारे समस्त सदस्य बैंकों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी।

देश की आजादी का अमृत काल चल रहा है। भारत सरकार ने केन्द्र स्तर पर पृथक से सहकारिता मंत्रालय गठित किया और गृह मंत्री श्री अमित शाह को उसकी कमान सौंपी है। केन्द्र में पृथक से सहकारिता मंत्रालय गठित होने के तुरंत बाद से माननीय मंत्री महोदय द्वारा सहकारिता को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रकार के उपाय किये जा रहे है। अरबन को–ऑपरेटिव बैकों को भी महत्व दिया गया है। अब भारतीय रिजर्व बैंक एवं राज्य सरकार अरबन को–ऑपरेटिव बैंकों की ओर भी ध्यान दे रहे हैं।

वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित होने पर केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को विभिन्न निर्देश दिये हैं जिनमें ''सहकार से समृद्धि'' की अवधारणा विकसित करते हुए सहकारिता के विभिन्न क्षेत्रों के चहुंमुखी विकास हेतु 54 बिन्दुओं का रोडमैप जारी किया जिनमें अरबन बैंकों को भी पर्याप्त महत्व दिया गया है।

सहकारी बैंकों के समक्ष आ रही कठिनाईयों के निवारण हेतु भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श उपरांत महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये/कार्य किये गये जिनमें व्यवसाय का विस्तार करने के लिये शहरी सहकारी बैंक अब नई शाखाएं खोलने की अनुमति, भारतीय रिजर्व बैंक में अरबन बैंकों के लिये एक नोडल अधिकारी नामित करना, व्यक्तिगत, आवास ऋण की सीमा दोगुने से अधिक बढ़ाना, कमजोर अरबन को–ऑपरेटिव बैंकों के लिये पृथक से नेशनल अरबन को–ऑपरेटिव फाईनेंस एण्ड डवलपमेंट कोरपोरेशन (अम्ब्रेला आर्गेनाईजेशन) का शुभारंभ किया जाना आदि प्रमुख है।

मेरा आग्रह है कि वित्तीय वर्ष समाप्ति पर बैंकों द्वारा खाताबंदी की प्रक्रिया पूर्ण करते समय नियमों व प्रावधानों का पूरा ध्यान रखा जावे। किसी प्रकार की कोई कमी न रहे ताकि अंकेक्षण व भारतीय रिजर्व बैंक के निरीक्षण के समय कोई परेशानी न आने पाये।

इसी प्रकार वर्ष की समाप्ति पर भारतीय रिजर्व बैंक को विभिन्न प्रकार की सूचनाएं एवं विवरण निर्धारित प्रक्रिया से निर्धारित प्रारूपों में प्रस्तुत किये जाते समय निर्देशों व प्रावधानों की पालना सुनिश्चित की जावे।

अमृत महोत्सव एवं सहकार से समृद्धि में सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा सहित रंगो के त्योहार होली एवं नव संवत वर्ष 2082 की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ!

मोहन पाराशर

अध्यक्ष

''हमारे संचालक''

फैडरेशन की मासिक समाचार–पत्रिका ''सृजन'' के माह अप्रैल, 2024 के अंक से फैडरेशन के संचालकों का प्रोफाईल विवरण एक–एक करके ''हमारे संचालक'' शीर्षक से प्रकाशित किया जा रहा है। इस माह फरवरी, 2025 की कड़ी में फैडरेशन के संचालक श्री राहुल पारीक, अध्यक्ष, चूरू जिला अरबन को–ऑपरेटिव बैंक लि., चूरू का प्रोफाईल विवरण प्रस्तुत है।

श्री राहुल पारीक
संचालक

1	नाम	श्री राहुल पारीक
2	पिता का नाम	श्री कैलाश चन्द्र पारीक
3	निवास	राजगढ़ – जिला चूरू
4	वाट्सएप मोबाईल नंबर अन्य मोबाईल नंबर	9610002746
5	फोन नंबर कार्यालय एवं निवास	9610002746
6	ईमेल – कार्यालय एवं व्यक्तिगत	Ucb11@czucb.in rahul.pareek002746@gmai.com
7	शैक्षणिक व तकनीकी योग्यता	12वीं पास
8	व्यवसाय	कॉन्ट्रेक्टर
9	जन्मतिथि	02.06.1978
10	अरबन बैंक से जुड़ाव कब से है	2006 से, 2011–16 तक निदेशक, 2022 से अध्यक्ष
11	सामाजिक गतिविधियां	2006 से सर्वहितकारिणी सभा में विभिन्न पदों पर पदाधिकारी रहे।
12	राजनीतिक गतिविधिया	2019 – 2024 तक पार्षद

फैडरेशन द्वारा राइसेम के सहयोग से आयोजित की एक दिवसीय 4 प्रशिक्षण कार्यशालाएं

फैडरेशन द्वारा राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) के साथ Workshop "Strengthening Urban Cooperative Bank विषय पर एक दिवसीय 4 कार्यशालाएं दिनांक 21, 22, 24 व 25 फरवरी को आयोजित की गई।

इस क्रम में पहले दिन, दिनांक 21 फरवरी, 2025 को अरबन बैंकों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों/ वरिष्ठ अधिकारियों के लिये प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 23 बैंकों के 31 अधिकारियों ने भाग लिया। साथ ही फैडरेशन के 3 अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में फैडरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एम. एल. शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के आयोजन के मुख्य–मुख्य बिन्दुओं की जानकारी दी। उन्होंने सहकार से समृद्धि–एक अवधारणा को स्पष्ट किया।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में श्री पंकज वैष्णव, सहायक रजिस्ट्रार (नियम) द्वारा सहकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के प्रावधानों की जानकारी दी।

तीसरे सत्र में दि राजस्थान स्टेट को–ऑपरेटिव बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री एस.एल.स्वामी ने बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट की विभिन्न धाराओं की जानकारी दी। चौथे सत्र में भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री योगेश शर्मा द्वारा साईबर सिक्यूरिटी विषय पर बैंकों द्वारा रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।

आगामी 3 कार्यशालाएं भी एक–एक दिवस के लिये दिनांक 22, 24 व 25 फरवरी को आयोजित हुई जिनमें उपरोक्त विषयों को सम्मिलित करते हुए सत्र आयोजित किये गये। दूसरे दिन 22 फरवरी को 19 बैंकों के 55 प्रतिभागियों, तीसरे दिन 24 फरवरी को 15 बैंकों के 22 प्रतिभागियों तथा चौथे दिन 25 फरवरी, 2025 को 16 बैंकों के 29 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

स्थापना दिवस/ बैंक कार्य प्रारंभ दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

- सवाईमाधोपुर अरबन को–ऑप. बैंक लि. – 22 फरवरी, 2025 को 31वां स्थापना दिवस
- जालौर नागरिक सहकारी बैंक लि जालौर की 17वीं शाखा बड़गांव, जिला जालौर 15 फरवरी, 2025 को प्रारंभ होने पर बैंक के अध्यक्ष, समस्त संचालकों, अंशधारियों एवं स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उदयपुर अरबन को–ऑपरेटिव बैंक ने जारी की नई गोल्ड लोन योजना

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किये जाने के अवसर पर दी उदयपुर अरबन को–ऑपरेटिव बैंक ने 8 फरवरी, 2025 को अपनी नई गोल्ड लोन योजना का शुभारंभ किया है। बैंक अध्यक्ष श्री तौसीफ हुसैन ने बताया कि बैंक द्वारा दी जाने वाली यह पहली गोल्ड लोन योजना है जो ग्राहकों को सिर्फ 9.95 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर सोने के आभूषणों के बदले ऋण प्रदान करेगी।

प्रस्तावित सहकारिता अधिनियम 2025 में संशोधन हेतु सुझाव दिये

विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध प्रस्तावित सहकारिता अधिनियम, 2025 के कतिपय बिन्दुओं में संशोधन हेतु फैडरेशन द्वारा पत्र दिनांक 19.02.2025 से संयुक्त रजिस्ट्रार (नियम), सहकारी समितियां, राजस्थान, जयपुर को निम्नांकित सुझाव दिये–

1. बैंकिंग संस्था की परिभाषा बी.आर.एक्ट में उल्लेखित बैंक/बैंकिंग संस्था की परिभाषा के अनुरूप उल्लेखित की जावे।
2. साधारण सभा में उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई मतों से पारित प्रस्ताव ''विशेष संकल्प'' मान्य होना चाहिये। मत देने का अधिकार रखने वाले सदस्यों के 50 प्रतिशत की शर्त हटाते हुए उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई मतों से पारित प्रस्ताव मान्य हो।
3. पूर्व में राजपत्र दिनांक 20.10.2022 द्वारा हटाई जा चुकी धारा 28 की उप–धारा (क) जो एक सदस्य को समिति के चुनाव में लगातार 2 टर्म उपरांत प्रतिबंधित करती थी, को प्रस्तावित अधिनियम में पुनःशामिल कर लिया गया है जिसे हटाया जाना चाहिये।
4. धारा 29 (ख)(1) संशोधित की जाकर राज्य सरकार द्वारा रू0 5.00 लाख से अधिक राशि हिस्सा पूंजी में विनियोजित किये जाने वाली सोसाइटियों में ही भर्ती मंडल से भर्ती की प्रक्रिया का प्रावधान किया जावे।
5. धारा 30(ग) में समिति की अवधि पूर्ण होने पर प्रशासक की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है जो जनतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत है। अतएव इस धारा को हटाया जावे। इसके स्थान पर यह प्रावधान किया जावे कि राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरण द्वारा चुनाव न कराने की स्थिति में पूर्व में निर्वाचित विद्यमान कार्यकारिणी ही आगामी चुनाव तक कार्य करेगी।

RBI reduced Repo Rate by 0.25 Per cent

The Monetary Policy Committee (MPC) of RBI, at its meeting dated February 7, 2025, decided to reduce the policy repo rate under the liquidity adjustment facility (LAF) by 25 basis points to 6.25 per cent with immediate effect.

consequently, the standing deposit facility (SDF) rate shall stand adjusted to 6.00 per cent and the marginal standing facility (MSF) rate and the Bank Rate to 6.50

RBI doubles small-value loan limit for Urban Cooperative Banks

RBI has doubled the limit for small value loans and increased housing loan limits for Tier 3 and Tier 4 UCBs, while also introducing a separate cap for builder loans.

Housing loans under the Priority Sector Lending (PSL) category have been excluded from the commercial real estate (CRE) sector classification, allowing more flexibility for UCBs to finance individual home buyers.

The updated loan ceilings per borrower are as follows: For Tier 1 UCBs, the maximum housing loan limit is Rs 60 lakh, For Tier 2 UCBs, the loan ceiling has been set at Rs 1.40 crore, For Tier 3 UCBs, borrowers can avail housing loans up to Rs 2 crore and For Tier 4 UCBs, the highest loan limit is Rs 3 crore.

The Rajasthan Urban Cooperative Banks' Federation Ltd., Jaipur
Computer Education - (II)

VARIOUS USES OF CTRL KEY OF COMPUTER KEY BOARD IN M.S. WORD

Ctrl+A	Select All	Selects all text or items in a document
Ctrl+B	Bold / Unbold	Makes selected normal text bold/ Selected bold text in unbold
Ctrl+C	Copy	Copies of selected text or item
Ctrl+D	To open Font Window	To change the font type
Ctrl+E	Center allignment	Selected Paragraph - Centre of page
Ctrl+F	Find and Replace	Searches for a specific word or phrase
Ctrl+G	Find and Replace/ Go to	Navigates to a specific location/ page
Ctrl+H	Find and Replace	Replaces one set of characters with another
Ctrl+I	Italics	Makes selected text italic/ Italic text Normal
Ctrl+J	Justified allignment	Aligns text to both the left and right
Ctrl+K	Insert Hyperlink	Adds a hyperlink to selected text/ Picture
Ctrl+L	Align left	Aligns text to the left
Ctrl+M	Increase indenting	Increase the left indent (margin)
Ctrl+Shift+M	Decrease Indenting	Decrease the left indent (margin)
Ctrl+N	New	Creates a new document or file
Ctrl+O	Open	Opens an existing document or file
Ctrl+P	Print	Prints the active document
Ctrl+R	Right margin	Create right margin in the paragraph
Ctrl+S	Save	Saves the active document or file
Ctrl+U	Underline	Underlines selected text/ Remove Underline
Ctrl+V	Paste	Pastes copied or cut text
Ctrl+W	Close	Closes the active window of application
Ctrl+X	Cut	Removes and copies selected text or item
Ctrl+Y	Redo	Redoes the last undone action
Ctrl+Z	Undo	undoes the last itme.
Ctrl+P	Print	Open print dialog
Ctrl+F2	Print Preview	Shows print preview
Ctrl+F4	Close document	Close the active document
Ctrl+F10	Maximize window	Minimize / Maximize the active window
Ctrl+Enter	Page Break	Break the page at cursor point
Shift+Ctrl+Enter	Table Break	Break the table at cursor point
Ctrl+Home	Shows the File at begining	Take the cursor at begining of the file
Ctrl+End	Shows the file at end	Take the cursor at end of the file

दि राजस्थान अरबन को–ऑपरेटिव बैंक्स फैडरेशन लि., जयपुर

– माह फरवरी, 2025 में फैडरेशन स्तर पर सम्पन्न मुख्य गतिविधियां –

- 6 फरवरी: फैडरेशन के संचालक मण्डल की बैठक होटल ग्रांड सफारी, जयपुर में श्री मोहन पाराशर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें पूर्व में दि. 12.11.2024 को आयोजित बैठक के कार्यवाही विवरण की पुष्टि करते हुए लिये गये निर्णयों पर फैडरेशन द्वारा की गई कार्यवाही का माननीय सदस्यों ने अवलोकन किया। बैठक में अरबन बैंकों द्वारा 30 सितंबर, 2024 तक किये गये कार्यों की समीक्षा की गई तथा फैडरेशन स्तर पर प्रथम प्रयास के रूप में तैयार की गई 2023–24 की सांख्यिकी पुस्तिका की सराहना की।
  - सभी उपस्थित माननीय सदस्यों द्वारा चर्चा उपरांत फैडरेशन स्तर पर आई.टी. विशेषज्ञ की नियुक्ति का निर्णय लिया गया। सभी एकमत से सहमत थे कि अधिकांश बैंकों के स्तर पर सुयोग्य एवं दक्ष तकनीकी अधिकारी उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। अतएव यदि फैडरेशन स्तर पर ऐसे एक व्यक्ति को चयन कर सेवाओं में लिया जाता है तो इसका लाभ सभी बैंकों को होगा। इसके वेतन एवं अन्य सुविधाओं पर होने वाले व्यय को भी बैंकों द्वारा वहन किये जाने पर भी सहमति रही।

    सभी उपस्थित महानुभावों की सहमति उपरांत Singhtek CoDesk Innovation Center के निदेशक एवं डायरेक्टर एवं ग्रुप सीईओ श्री सुजित ए सिंह एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री अंशुल गोयल को मीटिंग में आमंत्रित किया जिन्होंने कंपनी प्रोफाईल के साथ–साथ कम्पनी द्वारा प्रदत्त सेवाओं की जानकारी दी। यह कंपनी हार्डवेयर सप्लाई, सौफ्टवेयर एवं सिस्टम इण्टीग्रेशन की सेवाएं प्रदान करती है। उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि यूपीआई के माध्यम से होने वाली भुगतान व्यवस्था को इस कंपनी के माध्यम से यदि बैंकों द्वारा अपनाया जाता है तो वे बिना किसी शुल्क के बैंकों के साथ जुड़ना चाहेंगे। यह जयपुर स्थित कंपनी होने से बैंकों को नजदीकी का लाभ प्राप्त हो सकेगा एवं बैंकों द्वारा जो राशि नॉनफण्ड आय के रूप में अर्जित की जायेगी, उसी में से वे शेयर करेंगे। अध्यक्ष महोदय ने उन्हें सलाह दी कि आप केवल एक इसी प्रोडक्ट की विस्तृत जानकारी देने के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करें। कंपनी प्रतिनिधि का यह भी प्रस्ताव था कि उनके पास 300 से 400 अधिकारियों की वर्कफोर्स है एवं जब तक फैडरेशन स्तर पर आईटी सैल गठित नहीं होता है, तब तक वे उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान कर सकते हैं तथा वे बैंक कार्मिकों के लिये समय–समय पर प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित कर सकते हैं।
  - उपरोक्त के अतिरिक्त बैठक में अम्ब्रेला आर्गेनाईजेशन की सदस्यता, दी जाने वाली सहकार कम्पलायंस मोनिटरिंग सर्विस, अरबन बैंकों को आवश्यकता के समय फंड्स उपलब्ध कराने के लिये विकल्पों की जानकारी भी दी गई।
  - अंतरराष्ट्रीय सहकारी वर्ष मनाने के लिये विभिन्न कार्यक्रमों पर भी विचार किया गया। इसके अंतर्गत सभी बैंकों के अध्यक्ष, निर्वाचित प्रतिनिधि, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला विभाग के निर्देशानुसार आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त अग्रानुसार निर्णय भी लिये गये–
    1. सभी बैंकों के द्वारा उनके लैटरपैड, पत्राचार में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के 'लोगो' का प्रयोग किया जावे।
    2. अरबन को–ऑपरेटिव बैंकों की विशिष्ट ब्रांडिंग विकसित की जावे।
    3. सभी बैंकों के लिये समान बैज का नमूना तैयार कराया जावे जो बाद में सभी बैंकों द्वारा उपयोग में लाया जावेगा।
    4. अरबन बैंकों की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए विभिन्न माध्यमों यथा बैनर, पम्फलेट, लघु फिल्में आदि बैंकों के प्रचार–प्रसार हेतु अभियान चलाये जावें।
    5. फैडरेशन स्तर से एक प्रचार वाहन की 2 माह के लिये सेवाएं ली जावें जो पूरे राजस्थान राज्य में बैंकों के कार्यक्षेत्र में विचरण करके प्रचार करे। इसके व्ययों की पूर्ति के लिये वैण्डर्स से विशेष

अंशदान के साथ–साथ बैंकों से भी लिये जाने का प्रस्ताव तैयार कर सभी बैंकों को प्रेषित करके उनसे सुझाव आमंत्रित किये जावें।

6. नेफकब स्तर पर भी कान्फ्रेंस माह नवम्बर में आयोजित होगी जिसमें भी अधिक से अधिक संख्या में भाग लिया जावे।

- 7 फरवरी: भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी मौद्रिक नीति की जानकारी समस्त सदस्य बैंकों को प्रेषित की गई।

- 8 फरवरी: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025'' मनाने बाबत रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा जारी अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 में कार्यक्रम आयोजन की रूपरेखा एवं संचालन प्रक्रिया संबंधी निर्देशों की प्रतियां समस्त सदस्य बैंकों को प्रेषित करते हुए निवेदन किया गया कि वर्ष 2025 को ''अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष'' घोषित किया गया है। इस क्रम में रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, राजस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अंतर्गत इस वर्ष 2025 में विभिन्न कार्यक्रमों से सहकारिता का राज्य में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाना एवं सहकारिता से अधिकाधिक व्यक्तियों को जोड़ा जाना अपेक्षित है। उक्त प्रक्रिया में सहकारी समितियों तथा सहकारी बैंकों की सदस्यता में वृद्धि करना तथा सहकारी समितियों की समाज में प्रासंगिकता एवं लाभप्रदतता को बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

- 10 फरवरी: रजिस्ट्रार कार्यालय स्तर पर लम्बित मामलों का शीघ्र निपटारा करने हेतु संयुक्त रजिस्ट्रार (बैंकिंग) को पत्र द्वारा व व्यक्तिगत भेंट कर निवेदन किया गया।

- 13 फरवरी: स्टाफ स्ट्रेन्थ के अधिकार अरबन बैंकों के संचालक मंडल को दिये जाने हेतु अतिरिक्त रजिस्ट्रार (बैंकिंग) को पत्र द्वारा निवेदन किया गया।

- 21 से 25 फरवरी, 2025 फरवरी:

  - फैडरेशन द्वारा राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) के साथ **Workshop "Strengthening Urban Cooperative Bank** विषय पर एक दिवसीय 4 कार्यशालाएं दिनांक 21, 22, 24 व 25 फरवरी को आयोजित की गई।

इस क्रम में पहले दिन, दिनांक 21 फरवरी, 2025 को अरबन बैंकों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों/ वरिष्ठ अधिकारियों के लिये प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 23 बैंकों के 31 अधिकारियों ने भाग लिया। साथ ही फैडरेशन के 3 अधिकारी भी उपस्थित थे।

- कार्यशाला के प्रथम सत्र में फैडरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एम. एल. शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के आयोजन के मुख्य–मुख्य बिन्दुओं की जानकारी दी। उन्होंने सहकार से समृद्धि–एक अवधारणा को स्पष्ट किया।
- कार्यशाला के दूसरे सत्र में श्री पंकज वैष्णव, सहायक रजिस्ट्रार (नियम) द्वारा सहकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के प्रावधानों की जानकारी दी।
- तीसरे सत्र में दि राजस्थान स्टेट को–ऑपरेटिव बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री एस.एल.स्वामी ने बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट की विभिन्न धाराओं की जानकारी दी। चौथे सत्र में भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री योगेश शर्मा द्वारा साईबर सिक्यूरिटी विषय पर बैंकों द्वारा रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।
- आगामी 3 कार्यशालाएं भी एक–एक दिवस के लिये दिनांक 22, 24 व 25 फरवरी को आयोजित हुई जिनमें उपरोक्त विषयों को सम्मिलित करते हुए सत्र आयोजित किये गये। दूसरे दिन 22 फरवरी को 19 बैंकों के 55 प्रतिभागियों, तीसरे दिन 24 फरवरी को 15 बैंकों के 22 प्रतिभागियों तथा चौथे दिन 25 फरवरी, 2025 को 16 बैंकों के 29 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

–0–0–0–0–

दि राजस्थान अरबन को–ऑपरेटिव बैंक्स फैडरेशन लि0, जयपुर द्वारा अपने सदस्य बैंकों को आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित